## दिनांवः 24 सितम्बर, 1986

सं भो े बि । एफ । ही । 50-86/35507 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि , मैं ॰ इन्डस्ट्रोयल एण्ड, एलाईड प्रोडक्टसं कारपोरेशन प्लाट नं ॰ 45, सैक्टर 6, फरीदाबाद के श्रमिक श्री रोहदास शर्मा, मार्फत श्री के ॰ एल ॰ शर्मा, जी-15 श्रील्ड प्रैस, कालोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

द्यौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, भौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गर्र गिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिक्ष्मिचना सं० 5415-3-%म-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए, ग्रिध्मिचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिष्मिचना की धारा 7 के ग्रधोन गठित श्रम न्यायालय फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास भें देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला हैं, या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला हैं:—

क्या श्री रोहदास शर्मा, की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो विव /एफ़ बीव / 50-86 / 35514. — चूं कि हिर्याणा के राज्यपाल की राय है कि मैंव इन्डट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस कारपोरेशन प्लाट नंव 45, सैक्टर 6, फ़रीदाबाद, के श्रीमक श्री मोहन लाल मार्प त श्री केव एलव शर्मा, जी-15, श्रोल्ड प्रेंस, कालोनी, फ़रीदाबाद, तया उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामलें में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद श्रिष्ठित्यम, 1947, की घारा 10 की उप-भारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की वर्ड शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनोक 29 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिसूचनां की द्वारा 7 के भ्रियोग गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादअस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा अभिक के बीच या तो विवादअस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :—

क्या श्री मोहन लाल, की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/एफ० डी०/50-86/35549.—चूं कि हिरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस कारपोरेशन, प्लाट नं० 45, सैक्टर 6फरीदाबाद के श्रमिक श्री राम पराग, मार्फत श्री के० एल० शर्मा जी-15 श्रोल्ड प्रेस कलोनी, फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है।

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यवाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निरिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग)द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415—3—श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495—जी—श्रम 57/11245, दिनांक 7 परवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय परीदाबाद को विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय निर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते है जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादगस्त मामला है या विवाद से सुसंगत श्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री राम पराग की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?
सं० ग्रो०वि०/एफ०डी०/50-86/35556. — वू कि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० इन्डस्ट्रीयल एण्ड एलाईड प्रोडक्टस, कारपोरेशन प्लाट नं० 45, सैक्टर 6, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री राम अजोध, मार्फत श्री के० एल० शर्मा जी-15 श्रोल्ड प्रेस कलोनी, फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है ;

भ्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रौद्योगक विवाद श्रिष्टिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसक् द्वारा सरकारी श्रीधसूचना सं० 5415-3-श्रम 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए श्रिधसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त श्रिधसूचना की धारा 7 के श्रधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीच लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निदिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुतंगा अथवा अम्बन्धित मामला है:—

क्या को राम ग्रजीय को सेवाग्रीं का समापन न्यायोवित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?